an>

Title: Need to streamline loan disbursement mechanism by banks for developmental projects - Laid.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब): बैंकों की भूमिका विकास के लिए आवश्यक मानी जाती है। अतः बैंकों को लाभ अर्जित करने के लिए ही नहीं वरन समाज के आर्थिक विकास को गति देने की प्राथमिकता होनी चाहिये। बैंक अर्थ अर्जित करने के लिए नहीं वरन आर्थिक विकास को गति देने का साधन है। खेद है कि आजकल के बैंक लाभ अर्जित करने को ही प्राथमिकता दे रहे हैं। बैंक अपनी गलतियों को छिपाने और उनके कारण हुई आर्थिक क्षति की भरपाई करने के लिए नाना प्रकार के रास्ते अपना रहे हैं। पिछले लगभग चार वर्षों में 100000000/- रुपये बचत खातों में न्यूनतम राशि न रखने और ए.टी.एम. से अधिक बार राशि निकालने के चार्ज के रूप में खाताधारकों से वसूल किये गये हैं।

किंतु एक उदाहरण अवश्य देना चाहूंगा कि बैंक परियोजनाओं के निर्माण के लिए ऋण स्वीकृत कर देते हैं लेकिन कुछ ही ऋण की किस्तों के भुगतान के बाद अवरोध पैदा किये जाते हैं। परियोजना निर्माता के पुनः आग्रह करने पर फिर ब्याज दर बढ़ाकर ऋण की अगली किस्ते दी जाती हैं। यह क्रम दो तीन या चार बार दोहराया जाता है। ब्याज की राशि बढ़ जाने के कारण परियोजना की लागत बढ़ जाती है। साथ ही परियोजना से लाभ भी सीमित हो जाता है।

अतः मेरा अनुरोध है कि सरकार बैंकों पर इस प्रकार की कार्यवाहियों पर अंकुश लगाये और स्पष्ट निर्देश जारी करे।